बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–**cm-393**
22/08/2025

प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने बेगूसराय जिले के सिमरिया धाम स्थित गंगा नदी पर औंटा (मोकामा)–सिमरिया (बेगूसराय) के बीच नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का किया उद्घाटन

पटना, 22 अगस्त 2025 :– प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने बेगूसराय जिले के सिमरिया धाम स्थित गंगा नदी पर औंटा (मोकामा)–सिमरिया (बेगूसराय) के बीच नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस परियोजना की कुल लम्बाई 8.150 किलोमीटर है, जिसमें गंगा पुल की लम्बाई 1.865 किलोमीटर है। उद्घाटन के पश्चात् प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ने नवनिर्मित 6 लेन गंगा पुल का भ्रमण कर जायजा लिया।

इस अवसर पर प्रधानमंत्री के स्वागत में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। औंटा (मोकामा)–सिमरिया (बेगूसराय) 6 लेन पुल के समीप बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिवादन स्वीकार किया।

इस दौरान प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने रोड शो भी किया। रोड शो के क्रम में सड़क किनारे हजारों की संख्या में उपस्थित लोगों ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री के समर्थन में नारेबाजी की।

ज्ञातव्य है कि 1871 करोड़ रूपये की लागत से गंगा नदी पर इस 6 लेन पुल का निर्माण राजेंद्र सेतु के समानांतर किया गया है। इस वर्ल्ड क्लास गंगा ब्रिज के निर्माण से उत्तरी और दक्षिणी बिहार को आधुनिक रोड कनेक्टिविटी मिली है। पुराने जर्जर राजेन्द्र सेतु से भारी वाहनों की आवाजाही बंद होने के कारण वाहनों को 100 किलोमीटर अधिक दूरी तय करनी पड़ती थी, अब वह सफर केवल 8 किलोमीटर में संभव हो गया है, जिससे समय एवं ईंधन की काफी बचत होगी। साथ ही लॉजिस्टिक लागत में भी कमी आयेगी। लॉजिस्टिक कॉस्ट घटने से स्थानीय उद्यमों और व्यावसायों को विशेष बढ़ावा मिलेगा। इससे उत्तरी बिहार के सुपौल, मधुबनी, अररिया, बेगूसराय आदि जिलों को दक्षिणी बिहार के शेखपुरा, नवादा, लखीसराय के साथ बेहतर रोड कनेक्टिविटी मिलेगी। इंडियन ऑल कॉरपोरेशन लिमिटेड रिफाइनरी, बरौनी थर्मल पॉवर स्टेशन, बरौनी सुधा डेयरी, हिन्दुस्तान उर्वरक एवं रसायन लिमिटेड सहित स्थानीय उद्योगों को नई मजबूती मिलेगी। इस पुल के माध्यम से मखाना, केला, दूध, मक्का सहित स्थानीय कृषि उपज और उत्पादों की बड़े बाजारों तक पहुँच सुगम होगी तथा आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये अवसरों का सृजन होगा।

******